Nava Nalanda Central Library, TIET, Patiala
Dated 14-04-2026

थापर इंस्टीट्यूट में ग्लोबल एकेडमिक लीडरशिप समिट आयोजित

पटियाला जागरण सिटी
Page No. 03 Dated 14-04-2026

थापर इंस्टीट्यूट में ग्लोबल एकेडमिक लीडरशिप समिट आयोजित

जागरण संवाददाता, पटियाला : थापर इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी (टीआईईटी) पटियाला में दो दिवसीय ग्लोबल एकेडमिक लीडरशिप समिट 2026 का आयोजन किया गया। जिसमें उच्च शिक्षा के भविष्य पर दो दिनों तक चली गहन चर्चा का दौर खत्म हुआ। चंडीगढ़ के होटल और पटियाला स्थित टीआईईटी कैंपस में आयोजित यह आयोजन, थापर एजुकेशन ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी और टीआईईटी के प्रेसिडेंट गौतम थापर, तथा टीआईईटी के बोर्ड आफ़ गवर्नर्स के सदस्य राजीव रंजन वडेरा के संरक्षण में संपन्न हुआ। इसमें टीआईईटी के वाइस चांसलर प्रो. पद्मकुमार नायर ने संरक्षक और टीआईईटी के प्रो-वाइस चांसलर प्रो. अजय बटिश ने सह-संरक्षक की भूमिका निभाई।

पटियाला में थापर इंस्टीट्यूट में आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन के दौरान मंच पर उपस्थित विशेष अतिथि व टीआईईटी के अधिकारी। सौ. टीआईईटी

इस समिट में वैश्विक और भारतीय शैक्षणिक नेतृत्व का संगम देखने को मिला। इसमें आईआईटी (दिल्ली, गुवाहाटी, कानपुर, मंडी, आईएसएम धनबाद), एनआईटी (वारंगल, मणिपुर, रायपुर, नागालैंड), आईआईएम रांची, आईआईआईटी (ग्वालियर, रांची, ऊना), एमएएनआईटी भोपाल, आईआईएमसी बैंगलोर और गोवा इंस्टीट्यूट आफ़ मैनेजमेंट के फैकल्टी और डायरेक्टर शामिल थे। इनके साथ ही, ट्रिनिटी कालेज डबलिन, यूनिवर्सिटी आफ़ क्वींसलैंड, तेल अवीव यूनिवर्सिटी और वर्जीनिया टेक जैसे संस्थानों से आए अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने भी इसमें हिस्सा लिया। इस आयोजन में नेशनल एजुकेशनल टेक्नोलाजी फोरम (एनईटीएफ) के चेयरमैन और नैक की कार्यकारी समिति के चेयरमैन प्रो. अनिल सहस्त्रबुद्धे शामिल हुए। इसके अलावा, गूगल, एटोस और एमेरीकन एक्सपरेस जैसी कंपनियों के वरिष्ठ उद्योग जगत के नेताओं ने भी इसमें शिरकत की। गौतम थापर ने टीआईईटी की की 'लचीलेपन, प्रासंगिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

दो दिन तक चले इस आयोजन में उच्च शिक्षा के भविष्य को लेकर की गई चर्चा, टीआईईटी के लचीलेपन व प्रासंगिकता को रेखांकित किया

वहीं राजीव रंजन वदेरा ने उस विषय पर बात की जिसे उन्होंने "हाथी जैसा बड़ा और अनदेखा मुद्दा" करार दिया। 'विकसित भारत 2047' की परिकल्पना के संदर्भ में अपने विचारों को रखते हुए, उन्होंने टीआईईटी को एक ऐसे गौरवशाली निजी संस्थान के रूप में रेखांकित किया जो राष्ट्र-निर्माण में अपना योगदान दे रहा है। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में भले ही कुछ अनिश्चितता हो, लेकिन जो संस्थान नवाचार करने और नेतृत्व संभालने के लिए तत्पर हैं, उनके लिए समान अवसर भी मौजूद हैं। वाइस चांसलर प्रो. पद्मकुमार नायर ने कहा कि ग्लोबल एकेडमिक लीडरशिप समिट 2026 उच्च शिक्षा के भविष्य पर सार्थक बातचीत को बढ़ावा देने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

For More News Like This, Visit us at : http://hdl.handle.net/10266/4426